बिजली से लगने वाली आग से बचाव के लिए सावधानियां

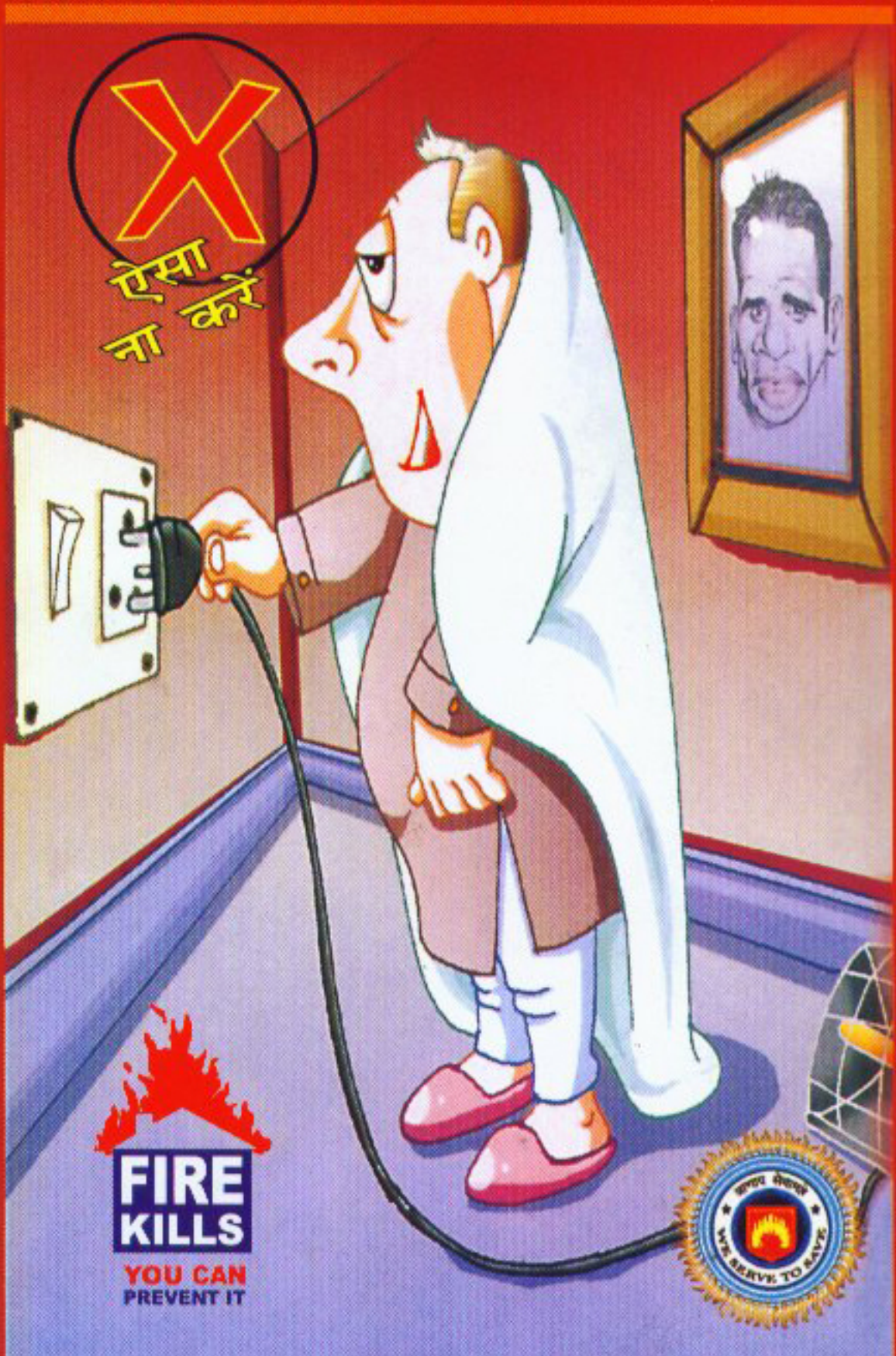

बिजली से लगने वाली आग से बचाव के लिए सावधानियाँ

आग लगने की दुर्घटना के प्रमुख कारणों में बिजली एक कारण है। बिजली शॉर्ट-सर्किट अत्यधिक गर्मी पैदा होने, ओवरलोडिंग, घटिया उपकरणों के उपयोग, अवैध ढंग से बिजली के तार लगाने, गलत तरीके से की गई बिजली की वायरिंग, लापरवाही और अज्ञानता आदि के कारण 60% मामले में बिजली से आग लग जाती है। यदि आग से बचाव की सावधानियों का समुचित ढंग से पालन नहीं किया जाये तो यह आग गंभीर और जानलेवा हो सकती है। पर्याप्त अग्रिरोधी सावधानियां बरत कर इस प्रकार की आग लगने की दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

इस पुस्तिका से आपको अपने घर के अंदर बिजली के कारण जोखिम वाले प्रमुख क्षेत्रों के बारे में पता चलेगा और आपको यह बताया जायेगा कि आप किस प्रकार आग की रोकथाम कर सकते हैं।

1. प्लग और फ्लेक्सेज

- कुछ विद्युत उपकरणों का डिज़ाइन ऐसा होता है जिन्हें हर समय ऑन रखना पड़ता है। वि. निर्माता द्वारा दिये गये अनुदेशों की जांच कर लें अथवा यदि आपको इस बारे में संदेह हो तो उस दुकान में जा कर पता कर लें जहां से आपने उसे खरीदा है। अन्य सभी विद्युत उपकरणों के स्विय ऑफ कर देने चाहिए और उसके प्लग हटा देने चाहिए, जब वे इस्तेमाल में न हों। प्लग को सावधानी पूर्वक निकालें, उसके तारों को खींचकर नहीं निकालें।
- भारतीय मानकों का पालन करने वाले थ्री पिन प्लग का प्रयोग करें जिसमें आई एस आई का निशान हो।
- एक ही सॉकेट में बहुत सारे एडॉप्टरों का उपयोग करने से उस पर अधिक लोड पड़ता हैं जिसके कारण वह बहुत गरम हो जाता है और आग पकड़ लेता है। उत्तम गुणवत्ता वाला एडॉप्टर प्रयोग करें और यह सुनिश्चित करें कि उसमें सही फ्यूज लगा हो।

2. प्लग और तार लगाना

तार के रंगों के बारे में अच्छी तरह से समझ लें और यह ध्यान रखें कि प्लग को फिट करते समय विनिर्माताओं द्वारा दिये गए अनुदेशों का पूरी तरह से पालन किया गया हो।

3. फ्यूज/एमसीबी

प्रयोग में लाये जा रहे उपकरणों के लिए हमेशा सही फ्यूज/एमसीबी का इस्तेमाल करें और विनिर्माता के अनुदेशों का पालन करें।

4. खाना पकाने के उपकरण

हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि सॉसपेन या कड़ाही सुरक्षित स्थिति में रखी गई है। केतली और टोस्टरों जैसे विद्युत उपकरणों के तारों को खुली आग से उचित दूरी पर रखें और चाय पकड़ने वाले तौलिए आदि को कभी भी उन उपकरणों पर सूखने के लिए नहीं छोड़ें। स्विच ऑन करने के बाद कड़ाही को वैसे ही नहीं छोड़ दें और विशेष कर तेल का वसा का उपयोग करते समय चिप पैन पर ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि ओवन का प्रयोग करने के बाद उसके स्विच को ऑफ कर दिया है।

5. चेतावनी

- चेवावनी के संकेतों को पढ़ें।
- खतरनाक वायरिंग की जांच करें।
- गर्म प्लगों और सॉकेटों की जांच करें।
- ऐसे फ्यूज जो बिना कारण के उड़ जाते हैं, की जांच करें।
- बिजली से निकली वाली चिंगारी की जांच करें।

- सॉकेटों और प्लगों पर झुलसने का चिह्न पड़ जाता है। यदि आपको इस प्रकार के खतरनाक चिह्न कहीं दिखें तो अपने इलेक्ट्रिशयन से घर की वायरिंग की पूरी तरह से जांच करने को कहें।

6. बिजली का ब्लैंकेट

- दुर्घटनावश ब्लैंकेटों के स्विच ऑन हो जाने के कारण कई बार आग लग जाती है और लोगों की मृत्यु हो जाती है। सभी विद्युत उपकरणों के मामलों में यह महत्वपूर्ण है कि आप विनिर्माता के अनुदेशों का पालन करें। बिस्तर में सोने के लिए जाते समय यह देख लें कि ब्लैंकेट का स्विच ऑफ है या नहीं और इस सम्बन्ध में अनुदेशों की जांच कर लें।
- अंदर लगायी जाने वाले ब्लैंकेट हमेशा ही पलंग से बधे होने चाहिए और सोने से पूर्व उसका स्विच ऑफ कर दिया जाना चाहिए। सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक ब्लैंकेअ को सूखा और सीधा रखना चाहिए तथा प्रत्येक दो-तीन वर्षों में एक बार उनकी सर्विसिंग होनी चाहिए। जिस दुकान से आपने उसे खरीदा है वह आपको इसकी सर्विसिंग व्यवस्था के बारे में बता सकते हैं।

7. हीटर

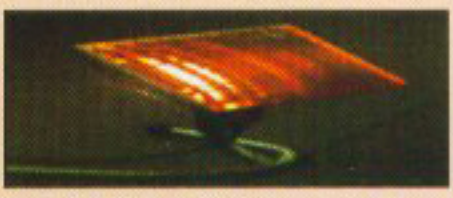

- यह ध्यान रखें कि आप आग सेंकने के लिए हीटर के पास बिल्कुल सट कर नहीं बैठें। ऐसा करने पर आपके कपड़े या आपकी कुर्सी में आसानी से आग लग सकती है, विशेषकर तब जब आप बैठे-बैठे सो रहे हों।
- हीटर को हमेशा ही सुरक्षित स्थान पर रखा जाना चाहिए, जहां उससे कोई चीज बार-बार न टकराये और वह बार-बार लड़खड़ा कर नहीं गिरे। हीटर को फर्नीचर और परदे तथा गद्दे जैसी मुलायम वस्तुओं से दूर रखें। हीटर को ऐसे स्थान पर रखें जहां उस पर इस प्रकार की वस्तुएं न गिरें। हल्के हीटरों को कभी भी पलंग से सटा कर नहीं रखा जाना चाहिए और न ही उससे कपड़े सुखाने चाहिए। खुले में आग सेंकते समय यह ध्यान रखें कि सभी हीटरों को सुरक्षित घेरे में रखा गया है। यदि आपको घर में छोटे-छोटे बच्चे हों तो आप यह सुनिश्चित करें कि आपके हीटर के चारों ओर सुरक्षित जाली लगी हो।

क्या करें

- आईएसआई प्रमाणित उपकरणों का प्रयोग करें।
- सही रेटिंग वाले गुणवत्तापूर्ण फ्यूजों, छोटे-छोटे सर्किट ब्रेकरों और अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकरों का प्रयोग करें।
- एक उपकरण के लिए एक ही सॉकेट का प्रयोग करें।
- आग प्रभावित क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति के स्विच को ऑफ कर दें।
- फ्यूज और स्विचों को धातु के बॉक्स के ऊपर फिट किया जाना चाहिए जिससे आग से बेहतर सुरक्षा मिलती है।
- टूटे हुए प्लगों और स्विचों को त्तकाल बदल दें।
- बिजली के तारों को गर्म और भीगी सतहों से दूर रखें।
- उपकरणों को उपयोग में लाने के बाद उनके स्विच ऑफ कर दें और सॉकेट से प्लगों को निकाल दें।
- लम्बे समय के लिए घर को छोड़कर जाते समय मेन स्विच को ऑफ कर दें।

क्या नहीं करें

- घटिया किस्म के सामानों, उपकरणों का प्रयोग नहीं करें।
- अस्थायी-वायरिंग कभी न कराएं या वायरिंग में जोड़ों को कभी खुला न छोड़ें।
- कालीन, चटाई या पायदान के अंदर से तारों को नहीं बिछाएं। तार टूट सकते हैं जिनके कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है।
- उपकरणों के कॉड्र्स को कभी लटका नहीं रहने दें।
- सॉकेट में कभी भी नंगा तार नहीं घुसायें।

आग की रोकथाम के लिए
सावधानियां बरतें

आग लगने पर

101

डायल करें

या

अपने निकटतम अग्निशमन
केंद्र से संपर्क करें

जनहित में जारी

मुद्रक : ब्रजवासी आर्ट प्रेस लि., नई दिल्ली